This question paper contains 2 printed pages. **Your Roll No. ....**

Sl. No. of Ques. Paper : **3133** **F-5**

Unique Paper Code : **2051502**

Name of Paper : **Adhunik Hindi Kavita – 2**

Name of Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **V**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

इस नए बसते इलाके में
जहाँ रोज बन रहे हैं नये-नये मकान,
मैं अक्सर रास्ता भूल जाता हूँ.

धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और जमीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बाएँ
मुड़ना था मुझे।

अथवा

मोड़ सकती मगर
तोड़ सकती नहीं
हो सदी बीसवीं
या कि इक्कीसवीं

राह हमको दिखाती
परावाक् है
दूरदर्शन कि
आकाशवाणी नहीं। 9

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश के रचना-कौशल पर निर्देशानुसार प्रकाश डालिए:

P. T. O.

(*निर्देश:* स्त्री की स्थिति):

कई कोठरियाँ थीं कतार में
उनमें किसी में एक औरत ले जाई गई
थोड़ी देर बाद उसका रोना सुनाई दिया
उसी रोने से हमें जाननी थी एक पूरी कथा
उसके बचपन से जवानी तक की कथा।

अथवा

(*निर्देश:* लोक-तत्त्व की दृष्टि से)
कांगड़े की छोरियाँ कुछ भोरियाँ सब गोरियाँ
लाला जी, जेवर बनवा दो खाली करो तिजोरियाँ
कांगड़े की छोरियाँ।
ज्वार-मक्का की क्यारियाँ हरियाँ-भरियाँ प्यारियाँ
धन-खेतों में प्रहर हवा की सुना रही है लोरियाँ—
काँगड़े की छोरियाँ ! 14

3. अज्ञेय के काव्य की शिल्पगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

नागार्जुन के काव्य में व्यक्त व्यंग्य-चेतना का विश्लेषण कीजिए। 4

4. 'रघुवीर सहाय के काव्य में साधारण मनुष्य की पीड़ा को वाणी मिली है।'— अपने विचार प्रकट कीजिए।

अथवा

अरुण कमल की कविताओं का रचना-संसार व्यापक एवं बहुमुखी है— स्पष्ट कीजिए। 14

5. धूमिल की कविता 'पटकथा' स्वातंत्र्योत्तर समाज की विसंगतियों पर सशक्त व्यंग्य है— इस कथन के आधार पर कविता की समीक्षा कीजिए।

अथवा

लम्बी कविता के रूप में धूमिल की 'पटकथा' का मूल्यांकन कीजिए। 14

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:
(i) 'दीप अकेला' कविता का प्रतीकार्थ
(ii) 'गुलाबी चूड़ियाँ' कविता का मूल-भाव
(iii) रघुवीर सहाय की काव्य-भाषा
(iv) 'पास आना मना दूर जाना मना' कविता की मूल संवेदना। 8,7 = 15